ऐसा होगा मुंबई सेंट्रल मेट्रो स्टेशन

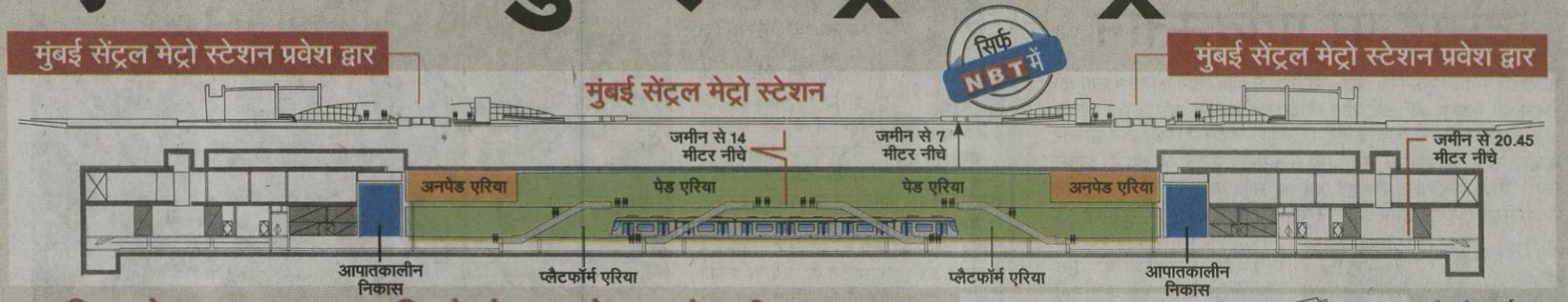

प्रति घंटे 20 हजार यात्रियों के आने-जाने की व्यवस्था

■ **मुंबई:** महानगर की पहली भूमिगत मेट्रो लाइन के स्टेशनों पर किसी भी हाल में एलफिंस्टन हादसे की पुनरावृत्ति न होने का दावा किया गया है। मुंबई मेट्रो रेल प्रशासन(एमएमआरसीएल) ने स्टेशन परिसर से यात्रियों के निकास के लिए विशेष व्यवस्थाएं की हैं।

जानकारी के अनुसार, भूमिगत मेट्रो स्टेशन मुंबई सेंट्रल से एक साथ प्रति घंटे 20 हजार यात्रियों की आवाजाही हो सकेगी। मुंबई महानगर की पहली भूमिगत मेट्रो लाइन के स्टेशन किस प्रकार के होंगे? कैसे यात्रियों को मेट्रो प्रबंधन बेहतर सुविधा देगा? इसके अलावा, मुंबई मेट्रो-3 (कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज) का मुंबई सेंट्रल स्टेशन कैसा होगा? इस पर **नीरज तिवारी** की विशेष रिपोर्टः

मुंबई सेंट्रल व्यस्ततम स्टेशन

मुंबई मेट्रो- 3 का मुंबई सेंट्रल मेट्रो स्टेशन सेवा शुरू होने पर व्यस्ततम स्टेशन होगा। इसलिए मेट्रो तक पहुंचने के लिए, स्टेशन परिसर से निकलने की सुविधाओं और मार्गों पर एमएमआरसीएल का विशेष ध्यान है। गौरतलब है कि पश्चिम रेलवे की लोकल सेवा और लंबी दूरी की सेवाओं का परिचालन मुंबई सेंट्रल स्टेशन से किया जाता है। मुंबई सेंट्रल मेट्रो स्टेशन से बेहद करीब है। इसके अलावा, एसटी डिपो पास होने से महाराष्ट्र के अलग-अलग भागों से आने वाले यात्री मेट्रो तक आसानी से पहुंच सकेंगे। 500 मीटर की परिधि में सैंकड़ों सोसायटियां हैं, जिनके निवासी मेट्रो-3 के सफर के लिए मुंबई सेंट्रल मेट्रो का फायदा ले सकेंगे।

जमीन से 22 मीटर भीतर

मुंबई सेंट्रल मेट्रो स्टेशन डॉ. नायर मार्ग पर बनाया जा रहा है। स्टेशन जमीन से 10 मीटर नीचे से शुरू होगा, जबकि मेट्रो के लिए रेल ट्रैक जमीन से 22 मीटर अंदर होंगे। स्टेशन का निर्माण कट एवं कवर बॉक्स के तहत किया जाएगा। यानी पहले सड़क की खुदाई कर मेट्रो स्टेशन का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा, उसे जमीन के भीतर कवर कर दिया जाएगा। स्टेशन की लंबाई 250 मीटर होगी, जबकि चौड़ाई 21.2 मीटर।

बेटिकट यात्रियों को लाभ

एमएमआरसीएल ने लोकल यात्रियों को मेट्रो स्टेशन से बिना टिकट लिए दूसरी ओर जा सकने की व्यवस्था की है, जिसे अनपेड एरिया कहा जाता है। इससे डॉ. नायर रोड से यात्री मेट्रो के सब-वे का उपयोग कर सीधे एसटी डिपो पहुंच सकते हैं। इसके अलावा, नायर मार्ग से मुंबई सेंट्रल टर्मिनस पहुंच सकते हैं। रेलवे क्वॉर्टर, नायर अस्पताल, मराठा मंदिर सिनेमा हॉल, आरबीआई कार्यालय जाने के लिए भी यात्री बिना मेट्रो टिकट मेट्रो स्टेशन परिसर से मंजिल तक पहुंच सकते हैं।

"मुंबई सेंट्रल मेट्रो स्टेशन पर सभी अत्याधुनिक सुविधाएं मौजूद होंगी। इसका निर्माण भविष्य में होने वाली भीड़ को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है। - एस.के. गुप्ता, परियोजना निदेशक, एमएमआरसीएल

कैसा बनेगा स्टेशन

- कट ऐंड कवर की तर्ज पर होगा निर्माण
- जमीन से 22 मीटर भीतर रेल ट्रैक
- लंबाई 250 मीटर, चौड़ाई 21.2 मीटर
- 25 स्वचालित सीढ़ियां, 6 लिफ्ट, 6 प्रवेश और निकास द्वार
- प्रति घंटे 20000 यात्रियों की आवाजाही

इन इलाकों जोड़ेगा

- मुंबई सेंट्रल स्टेशन
- एसटी बस डिपो
- के.ए. हामिद चौक
- नायर अस्पताल
- रेलवे क्वॉर्टर्स
- आरबीआई
- मराठा मंदिर